मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.06. 2022

Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

वर्ष : 58 अंक 06 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख

जून 2022 बहाई वर्ष : 179

विश्व न्याय मन्दिर

बहाउल्लाह कहते हैं कि ''जिस उद्देश्य के लिए नश्वर मानवों ने, पूर्ण शून्यता से, अस्तित्व जगत में कदम रखा है, वह यह है कि वे दुनिया की बेहतरी के लिए काम कर सकें और एक साथ एवं सद्भाव में रह सकें।'' उन्होंने ऐसी शिक्षाएं प्रकट की हैं, जो इसे संभव बनाती हैं। एक ऐसे समाज का निर्माण करना जो सचेतन रूप से इस सामूहिक उद्देश्य हेतु काम करता है, न केवल इस पीढ़ी का, बल्कि आने वाली अनेक पीढ़ियों का काम है, और बहाउल्लाह के अनुयायी उन सभी का स्वागत करते हैं जो इस उपक्रम में उनके साथ परिश्रम करते हैं। **–30 दिसम्बर, 2021**

मध्य प्रदेश की गतिविधियाँ

• मध्य प्रदेश में सलाहकार के साथ हुए संयुक्त परामर्श के उपरांत प्रशिक्षण संस्थान मण्डल के निर्णयानुसार 9 से 16 मई, 2022 तक राज्य में अध्ययवृत कक्षा की वृद्धि के उद्देश्य से बहाई भवन में रूही पुस्तक–7 का आठ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, इसमें राज्य के तीन सबरीजन भोपाल, इन्दौर और नीमच से 28 मित्रों ने भाग लेकर गहनतापूर्वक अध्ययन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ बहाई प्रार्थनाओं के साथ आध्यात्मिक वातावरण में किया गया। इसके पश्चात मंडल सचिव द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगी सहशिक्षकों का स्वागत किया गया एवं उपस्थित मित्रों द्वारा अपना–अपना परिचय भी दिया गया। तत्पश्चात इस सेमीनार के उद्देश्य एवं योजना पर परिचर्चा की गयी। इस कार्यक्रम में सहयोग हेतु हिन्दी नॉर्थ जोनल टीम के सदस्य ने पूरे आठ दिनों तक उपस्थित रहकर अपने अनुभवों द्वारा प्रतिभागियों को लाभान्वित किया। इस कार्यक्रम के दौरान रूही पुस्तक–1 का पूर्ण रिफ्रेशर कोर्स किया गया जिसके अनुसार शामिल मित्रों द्वारा 23 अध्ययनवृत्त कक्षा प्रारंभ करने की योजना बनायी गयी, जिसमें इस रिफ्रेशर से सहायता प्रदान की जायेगी।

सहयोगी शिक्षकों के द्वारा प्रतिभागियों के उत्साह को बढ़ाने हेतु कार्यक्रम के दौरान उनके द्वारा गीत, खेल, कविता आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से इस सेमीनार को और अधिक आनंदमय बनाया गया। इस आठ दिवसीय सेमीनार में प्रतिभागियों ने पूरे दिन गहनतापूर्वक अध्ययन में भाग लिया एवं दो दिन शाम के समय समुदायों में भ्रमण किया गया, जिसमें शामिल सभी प्रतिभागियों को भ्रमण का अनुभव प्राप्त हुआ।



रूही पुस्तक–7 का अध्ययन करते हुए प्रतिभागी

• स्थानीय बहाई आध्यात्मिक सभा बदवार, तहसील गुढ़, जिला रीवा मध्य प्रदेश के द्वारा बहाई भवन बदवार में किसान वार्ता का आयोजन 16 मई, 2022 को किया गया। कार्यक्रम में किसानों के स्वास्थ्य व उनके बच्चों की शिक्षा के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु मेडिकल कॉलेज रीवा से

शेष पृष्ठ 2 पर

इस अंक में

सम्मेलनों की श्रृंखलाओं का आयोजन

• झारखण्ड के बुंडू क्लस्टर के गोसाइडीह समुदाय में अनुमानित 80 प्रतिभागियों एवं राँची क्लस्टर के दो समुदायों सरनाटोली और नीचेटोली में क्रमशः 45 एवं 70 प्रतिभागियों के साथ दो दिवसीय सामुदायिक सम्मेलनों का आयोजन 22 और 24 मई को किया गया। समुदाय के लगभग सभी आयु वर्ग के लोगो ने प्रतिभगिता दर्ज की। इन सम्मेलनों की प्रकृति आध्यात्मिक थी। जिसका उद्देश्य समुदायों में किया था, जिसमें उन्हें प्रार्थनाओं, उद्धरणों, गीत–संगीत, कहानियों एवं विशेषकर उनकी बहाई पुस्तकों को पूरा कराने में सहायता की। इन सम्मेलनों की संपूर्ण तैयारी स्थानीय युवा वर्ग के मित्रों ने की जिसमें आने वाले कुल खर्चों का आधा स्वयं समुदाय ने वहन किया। इन तीन दिनों में गीत–संगीत, नृत्य तथा कला–कृतियों का भी खूब आनंद लिया गया। इन विशेष अवसरों पर समुदाय अथवा सरकारी



रांची के सरनाटोली में आयोजित कार्यक्रम में अध्ययन करते हुए

बहाई गतिविधियों एवं बहाई इतिहास को प्रत्येक जनमानस तक पहुँचाना था। साथ ही समुदाय को आध्यात्मिक, बौद्धिक एवं सामाजिक तीनों स्तरों पर मजबूत बनाना इन सम्मेलनों का एक मुख्य उद्देश्य है। सम्मेलनों का आरम्भ भक्तिमय बहाई प्रार्थनाओं से करने के उपरांत छोटे दलों में सम्मेलनों हेतु तैयार की गई अध्ययन सामग्री ''समाज निर्माण शक्ति की निर्मुक्ति'' के कुछ भागों का अध्ययन कर अपनी समझ एवं सीखों को सामूहिक बड़े स्तरों पर साझा करते ताकि इसके गहन अर्थों की स्पष्टता और सरलीकृत हो सके। बच्चों एवं किशोरों हेतु समुदाय के शिक्षक, अनुप्रेरकों ने अलग गतिविधियों का आयोजन संस्थानों के सम्मानीय सदस्यों को भी आमंत्रित किया गया था, जिनकी उपस्थिति से इन कार्यक्रमों की शोभा बनी रही एवं यह कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र बना रहा। उपस्थित मित्रों की समझ को और सुदृढ़ करने हेतु उपलब्ध दो बहाई फिल्मों–प्रथम सौ वर्षों का बहाई इतिहास एवं द्वितीय अब्दुल–बहा के जीवन पर आधारित फिल्मों को दिखाया गया, जिससे उनकी समझ को और स्पष्टता प्रदान की जा सके। इन कार्यक्रमों के उपरांत समुदाय में एक विशेष प्रकार की ऊर्जा को महसूस किया जा सकता है जिसे एकत्रित करने में स्थानीय संस्थाएं एवं एजेंसियाँ प्रयत्नशील हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

मध्य प्रदेश की गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

सह–प्राध्यापक एवं विहान हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर तथा टीच टू ईच संस्था के संचालक डॉ. राकेश पटेल, किसानों की फसलों की सेहत व उसकी संपूर्ण प्रक्रिया तथा वैज्ञानिक तथा आधुनिक कृषि के मार्गदर्शन के लिए कृषि विज्ञान महाविद्यालय जिला रीवा से प्रोफेसर डॉ. शेषमणि पटेल, किसानों के पशुधन के स्वास्थ्य किसानों की समस्याओं व चुनौतियों का सीधा समाधान एक प्रेमपूर्ण तथा सौहार्द पूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में महिला और पुरुष किसानों को मिलाकर 50 से अधिक लोग उपस्थित थे। अपने क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले उपस्थित किसानों को कृषि यंत्र व किसानी से संबंधित अन्य उपयोगी



किसानों के लिए आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी

व पशुपालन से संबंधित मार्गदर्शन के लिए विटनरी कालेज रीवा से प्रोफेसर डॉ. स्वतंत्र सिंह एवं पशुओं की गायनिक समस्याओं, कृत्रिम गर्भाधान, पशुओं के सुरक्षित प्रसव आदि विषयों के मार्गदर्शन के लिए विटनरी कॉलेज के ही प्रोफेसर डॉ. गिरीश कुमार मिश्र तथा सामाजिक कार्यकर्ता एवं शिक्षक व टीच टू ईच कार्यक्रम के समन्वयक श्री प्रदीप (शिक्षक), सामाजिक सामग्री प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानीय उपस्थित विद्वानों तथा विशेषज्ञों द्वारा वितरित की गई। कार्यक्रम की उपयोगिता को मद्देनजर रखते हुए किसानों द्वारा इस तरह के कार्यक्रम को समय–समय पर आयोजित करते रहने की आवश्यकता को महसूस किया गया, जिसके लिए उपस्थित विशेषज्ञों ने अपनी सहमति एवं सहयोग करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में किसानों के



बहाई भवन में आयोजित कार्यक्रम में महिलाएँ चर्चा करते हुए

कार्यकर्ता टीच टू ईच के संभागीय संयोजक एडवोकेट श्री कमलेश्वर सिंह उपस्थित रहे। किसानों का सीधा संवाद संबंधित विषय क्षेत्र के विद्वानों के साथ स्थापित हुआ। अतिरिक्त स्थानीय बहाई आध्यात्मिक सभा के सदस्यगण भी उपस्थित रहे।

• इंद्रपुरी लेबर कालोनी समुदाय के निवासी मित्रों के लिए

शेष→

चंडीगढ़ में रिज़्वान महापर्व का उत्सव

चंडीगढ़ के बहाई समुदाय ने रिज़्वान के पहले, नौवें और बारहवें दिन उत्सव मनाया। बहाउल्लाह ने इस अवसर को सबसे महान त्योहार, त्योहारों के राजा के रूप में, ईश्वर के उत्सव के रूप में वर्णित किया है।

रिज़्वान के बारहवें दिन प्रार्थनाओं के साथ हुई। इस कार्यक्रम में बच्चों सहित लगभग अस्सी प्रतिभागियों ने भाग लिया। सबसे पहले इन दिनों को मनाने की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और महत्व को पावर प्वाइंट प्रस्तुतियों के माध्यम से और विशेष रूप से रिज़्वान उद्यान पर गीतों के माध्यम



चंडीगढ़ के बहाई भवन में आयोजित रिज़्वान का कार्यक्रम

चंडीगढ़ के बहाई भवन के हॉल को गुलाब की सुगंध से एक आध्यात्मिक वातावरण बनाते हुए सजाया गया और हॉल के एक कोने में अब्दुल–बहा की तस्वीर वाला एक बहुत छोटा तम्बू बनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत से समझाया गया। रिज़्वान महोत्सव से संबंधित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी हुआ।

कार्यक्रम के अंत में, सभा के अध्यक्ष ने रूहिया खानम द्वारा लिखित प्रिस्क्रिप्शन फॉर लिविंग पर कुछ नोट्स साझा किए।

बहाई विवाह



उत्तर प्रदेश, लखनऊ के काकोरी क्लस्टर, के भलिया ग्राम के निवासी श्री विकास गौतम और इमामबाग, काकोरी की सुश्री सुमन का विवाह 15 मई, 2022 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।

बहाई भवन में 12 अप्रैल को एक सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें बच्चे, किशोर, युवा और वयस्क कुल मिलाकर 106 लोगों ने भाग लिया।

सम्मेलन की शुरुआत प्रार्थनाओं से की गई, जिसमें बच्चों और किशोरों ने प्रार्थनाएँ कीं। स्थानीय परिवारों में से एक महिला और एक पुरुष ने भी प्रार्थना कीं। प्रार्थनाओं के बाद बच्चों और किशोरों को अलग–अलग समूहों में करके दो शिक्षक और दो अनुप्रेरक उन्हें सिखाने के लिए बहाई भवन के उद्यान में लेकर गए।

सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को महिला और पुरुष दो समूहों में विभाजित कर उनके साथ राज्य बहाई परिषद द्वारा तैयार की गई सम्मेलन की सामग्री का अध्ययन किया गया।

महिलाओं के समूह में दो सहयोगी अध्ययन में सहयोग कर रहे थे और इसी तरह पुरुषों के समूह में दो पुरुष सहयोगी थे। यह अध्ययन सत्र 2 घण्टे चला और उसके बाद सारे प्रतिभागी बड़े समूह में आए और बच्चों एवं किशोरों द्वारा सीखी गई प्रार्थनाओं तथा गीत का आनंद उठाया। किशोरों द्वारा तैयार आशा की किरण से ली गई कहानी पर आधारित अभिनय को प्रतिभागियों ने सराहा। कुछ अभिभावकों ने अपनी अंतर्दृष्टि को साझा किया।

गुरुग्राम में बाल एवं किशोर मेले का आयोजन

हरियाणा के गुरुग्राम में 8 मई, 2022 को बाल एवं किशोर मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में लगभग एक हजार से अधिक मित्रों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की।

इस मेले के लिए स्थानीय आध्यात्मिक सभा, क्लस्टर संस्थान टीम और क्लस्टर विकास समिति अधिक कोष में दान देने के लिए प्रेरित किया गया और दान देने के विभिन्न माध्यमों से उन्हें परिचित करवाया गया।

मेला शुरू होने पर सभी स्वयंसेवकों ने अपने–अपने दायित्व का सही से निर्वहन किया। कार्यक्रम के दौरान सभी बहुत उत्साहित थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान



गुरुग्राम में आयोजित किशोर एवं बाल मेले का दृश्य

ने बहुत पहले से ही अपनी तैयारियाँ करना आरम्भ कर दिया था। कई बैठकें आयोजित की गईं जिनमें इस मेले से संबंधित सभी प्रकार की तैयारियों पर चर्चा की गई तथा किसको क्या–क्या दायित्व निभाना है वह भी बताया गया। मेले के लिए एक बजट बनाया गया, जिस पर कार्य करते हुए समुदाय में मित्रों को अधिक से बहाई कक्षा के बच्चों और किशोरों ने एकता पर आधारित कुछ नाटक भी प्रस्तुत किए। अभिभावक बच्चों और किशोरों के द्वारा दी जा रही प्रस्तुति का आनंद ले रहे थे और अपने बच्चों में आए परिवर्तन को देखकर बहुत प्रसन्न थे। बच्चों और किशोरों को प्रमाणपत्र भी दिए गए। कार्यक्रम के अंत में सभी को अल्पाहार दिया गया।

काकोरी में रूही पुस्तक–12 का सेमिनार

क्षेत्रीय बहाई परिषद उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली के मार्गनिर्देश और समुदाय में रूही पुस्तक–12 की अवधारणाओं की आवश्यकता को देखते हुए सब–रीजन कार्य दल काकोरी, सीजीसी काकोरी और सब–रीजन टीम प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से लिया, जिन्होंने पूरी लगन के साथ इसे पूर्ण किया। कार्यक्रम के अंतिम दिन सभी प्रतिभागियों को प्राप्त सीख पर अपने विचार रखने के लिए आमंत्रित किया गया। लगभग सभी लोगों ने इस पुस्तक की सराहना की और जो भी अवधारणाएँ उन लोगों ने सीखी वह प्रस्तुत की



काकोरी में आयोजित सेमिनार के प्रतिभागी

इस पुस्तक के अध्ययन का आयोजन 5 मई, 2022 को काकोरी के बहाई भवन में किया गया। इसमें पूरे सब–रीजन से सभी एजेंसियों और अन्य मित्रों तथा स्थानीय आध्यात्मिक सभा को आमंत्रित किया गया। इसमें लगभग 55 युवाओं और वयस्कों ने भाग और बताया कि इस पुस्तक को पढ़ने के बाद एक विशेष तरीके की सीख जो विवाह से संबंधित है पहली बार सीखी। समाज में शादी को लेकर जो भ्रांतियाँ फैली हैं उन सभी को बेहतर ढंग से समझने में इस पुस्तक ने मदद की।

सम्मेलनों की श्रृंखलाओं का आयोजन

पृष्ठ 1 का शेष

• विश्व न्याय मंदिर के आह्वान पर मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थिति लिटिल एंजल्स हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिए सम्मेलनों की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया। सम्मेलन के दौरान ''युवा अवधि'' और ''सेवा अवधि'' विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सम्मेलन से पहले लगभग 18 विद्यार्थियों के लिए एक फेसिलिटेटर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ताकि ये विद्यार्थी सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया। उनकी प्रस्तुति से यह स्पष्ट था कि दस्तावेज का विद्यार्थियों की मानसिकता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा और वे अपने भविष्य को कैसे पुनर्परिभाषित कर सकते हैं।

सम्मेलन में छात्रों के एक समूह ने ''धन और धनाढ्यता–इसके कारण और समाधान'' विषय पर प्रस्तुति दी। यह स्कूल में किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम का एक सेवा घटक है।



सम्मेलन के दौरान अलग–अलग गतिविधियों में शामिल विद्यार्थी

दौरान सहायक के रूप में कार्य कर सकें। पूरे सम्मेलन की सुविधा के लिए प्रत्येक फेसिलिटेटर के पास 14 छात्रों का एक समूह था।

आठवीं कक्षा के लगभग 245 विद्यार्थी थे, जिन्हें प्रत्येक सम्मेलन के लिए 125 विद्यार्थियों के दो समूहों में बांटा गया। सम्मेलन का आरम्भ प्रार्थनाओं के उपरांत वैश्विक सम्मेलन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी के साथ हुआ। इसके बाद ''युवा अवधि'' विषय पर सामग्री का अध्ययन किया गया।

चर्चा के उपरांत सभी समूहों को चार्ट, गीत, नृत्य और लघुनाटिका के माध्यम से अपनी सीख और नई अंतर्दृष्टि साझा करने

इसके बाद दूसरे विषय ''सेवा अवधि'' का अध्ययन किया गया। अध्ययन के बाद विद्यार्थियों को सेवा के किसी भी कार्य की योजना बनाने और साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया, इसके लिए विद्यार्थियों की प्रबल प्रतिक्रिया मिली।

सम्मेलन के अंत में ''ग्लिम्प्स'' फिल्म दिखाई गई जिसने उनके पड़ोस में की जा सकने वाली विभिन्न गतिविधियों को दृढ़ किया। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद स्कूल के और अधिक विद्यार्थियों के साथ सम्मेलनों को व्यवस्थित रूप से जारी रखने की योजना बनाई गई।

निवेदन

प्रिय मित्रों,

अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें बहाई समाचार में प्रकाशित कर सकें।

धन्यवाद !

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 **Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2021-22-23**
Delhi P.S.O. **Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2021-22-23**

अब्दुल बहा के स्वर्गारोहण की शताब्दी के अवसर पर कहानी जो अब्दुल बहा ने कही

कंजूसी का फल कड़वा

"ऐसे कितने लोग हैं जो लाख कोशिशों के बाद मुट्ठी भर धन इकट्ठा करते हैं और उसी में उलझे रहते हैं, उसे बटोर कर अपने पास रखे रहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि सर्वमहान की लेखनी उसे किसी और के हवाले कर देने का आदेश देती है।
—बहाउल्लाह

एक समय की बात है। बालसोरा नाम के शहर में एक सौदागर रहता था उसका नाम रेज़ा था। हालाँकि वह बहुत धनी था पर उसके जैसा बंदमुट्ठी और संकरे दिल वाला व्यक्ति पूरे शहर में कभी नहीं हुआ। लालच के कारण अपने लोगों के बीच वह एक कहावत बन गया था। कष्ट देने की उसकी प्रवृत्ति के कारण उसके परिवार को भूखा रहना पड़ता था।

उसके कार्यालय में एक क्लर्क था जिसे वह बहुत ही कम वेतन देता था। इस क्लर्क का बहुत बड़ा परिवार था। हालाँकि वह बहुत हिसाब से खर्च करता था फिर भी उसके लिए घर चलाना मुश्किल था। वह अक्सर वेतन बढ़ने के सपने देखता था, पर सब व्यर्थ। अंततः उसके दिमाग में एक विचार आया और आशा जगी कि अवश्य जल्द ही उसका वेतन बढ़ जाएगा। नए वर्ष के आगमन में एक सप्ताह बाकी था। उसने सोचा कि यदि वह उस अवसर पर अपने मालिक को कोई उपहार देगा तो मालिक निस्संदेह इसके कारण उसका वेतन बढ़ा देगा। इसके लिए वह बाजार गया और एक भेड़ का सिर खरीद कर लाया, उसे अच्छी तरह बनाया और ट्रे में रख कर अपने मालिक के पास ले गया। लेकिन पूरा सप्ताह बिना किसी संकेत के गुजर गया। अंत में नए वर्ष के दिन बहुत उम्मीद से वह अपने मालिक के घर नए वर्ष की बधाई देने गया। वह मन ही मन सोच रहा था कि उसका भविष्य अब काफी उज्ज्वल होगा।

उसने जब मालिक के कमरे में प्रवेश किया तो मालिक ने बहुत गर्मजोशी से उसे नववर्ष की बधाई दी। इससे उसकी उम्मीद और बढ़ गई। मालिक ने कहा, "मैं तुम्हारी भेंट के लिए तुम्हारा बहुत धन्यवाद करता हूँ। इससे हमारा बहुत खर्चा बच गया। हमने पूरे सप्ताह उसका आनन्द उठाया। पहले दिन हमने भेड़ के कान खाये, दूसरे दिन आँख, तीसरे दिन चमड़ा, चौथे दिन जीभ, पाँचवें दिन मांस, छठे दिन हड्डियाँ और सातवें दिन दिमाग खाया।"

क्लर्क कंजूस की इस व्याख्या से इतना क्षुब्ध हुआ कि वह वहाँ से चला गया और उसने शहर भी छोड़ दिया और दूसरी जगह अपने भाग्य को आजमाने निकल गया।

अनेक वर्षों तक जगह–जगह यात्रा करने के अनुभव और सम्पत्ति अर्जित करने के बाद वह अपने शहर लौट आया और अपना कारोबार शुरू कर दिया। एक दिन जब वह मुख्य सड़क पर घूम रहा था तो उसका ध्यान एक महलनुमा घर ने आकर्षित किया। उसने द्वार से झांका तो उसे एक अत्याधिक खूबसूरत बगीचा दिखाई दिया। उसने घूमते हुए नौकरों से पूछा कि यह किसका मकान है। नौकरों ने कहा, "क्या तुम कोई अजनबी हो?" उसने कहा, "नहीं, पूरी तरह तो नहीं।" उन लोगों ने आश्चर्य व्यक्त किया, "कैसे तुम्हें यह नहीं मालूम कि यह रेज़ा के लड़के करीम का घर है।"

पूर्व क्लर्क ने लम्बी सांस ली, "ओह पिता ने जो दबा के रखा था उसे बेटा खर्च कर रहा है।" और वह भीड़ में गायब हो गया।

सम्पत्ति दबा कर रखना और कंजूसी करना प्रशंसनीय गुण नहीं है।

त्रिपुरा में पायनीयर प्रशिक्षण कार्यक्रम

त्रिपुरा में अगरतला के नवनिर्मित बहाई भवन में दो दिवसीय पायनियर प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 और 28 मई, 2022 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 8 क्लस्टरों से 11 मित्रों ने भाग लिया। इनके अलावा इसमें सलाहकार, सहायक मण्डल सदस्य और परिषद के कुछ सदस्य भी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रार्थनाओं से हुआ। उसके उपरांत सामग्री विकास दल–एमडीटी द्वारा तैयार की गई पायनियर सामग्री का अध्ययन किया गया। अगले दिन सभी ने विश्व न्याय मंदिर के 24 मई, 2022 के संदेश का अध्ययन किया। यह पायनियर के बारे में था, कि कैसे अंतिम दो योजनाओं में दुनिया के कई स्थानों पर "पावन बीज" रोपे गए। जो पायनियर प्रशिक्षण ले रहे थे, वे बहुत उत्साहित थे। सलाहकार ने पायनियरों का आध्यात्मिक मार्गदर्शन किया। एक मित्र ने पायनियरिंग के बारे में अपने अनुभव और उस समय के पायनियरों का कैसे उपयोग किया जाता था के विषय में बताया। लेकिन अब समय बदल गया है हमारे पास एक स्पष्ट दृश्य है जैसाकि 24 मई 2022 और 30 दिसंबर 2021 के संदेश में बताया गया है। इस अवसर पर एक नव–दम्पति ने भी पायनियरिंग के लिए जाने हेतु अपनी सहमति दी।

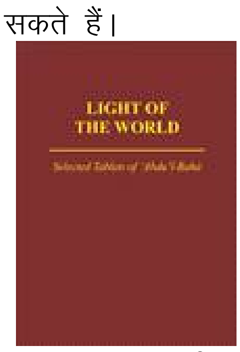


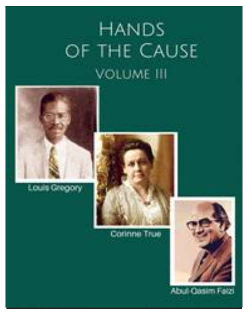
त्रिपुरा में आयोजित पायनियर प्रशिक्षण के प्रतिभागी

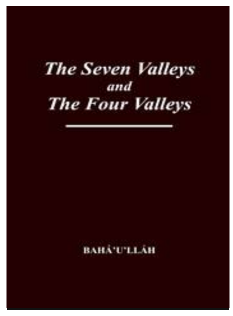
नव प्रकाशित पुस्तकें

प्रिय मित्रों, हमें आपको यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बहाई लिटरेचर एण्ड पब्लिकेशन ट्रस्ट द्वारा कुछ नई पुस्तकें प्रकाशित की गईं हैं।

आप हमारी वेबसाइट bahaipublishingtrust.in से इन पुस्तकों को ऑनलाइन खरीद सकते हैं। पुस्तकों का ऑर्डर फोन पर 91–11–40523382–84, या ईमेल bptindia@ibnc.in पर भी दे सकते हैं।







अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें।
बहाई लिटरेचर एण्ड पब्लिकेशन ट्रस्ट
एफ–3/6, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेस–1
नई दिल्ली–110020

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2021-22-23
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.06.2022
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)